आकाशवाणी रायपुर (छत्तीसगढ़)
प्रादेशिक समाचार बुलेटिन

18.45 शनिवार दिनांक 03.01.2026

<><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><>
<><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><>

मुख्य समाचारः—

1— बस्तर संभाग में सुरक्षा बलों के साथ हुई दो अलग—अलग मुठभेड़ों में चौदह माओवादी मारे गए—वहीं, शीर्ष माओवादी नेता बारसे देवा ने अपने बीस साथियों के साथ हैदराबाद में किया आत्मसमर्पण।

2— मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की—बस्तर पंडुम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

3— छत्तीसगढ़ को मिली खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी—राजधानी रायपुर में चौदह फरवरी को होगा उद्घाटन।

और

4— प्रदेशभर में अन्नदान का पर्व छेरछेरा आज हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

....

माओवादी–मुठभेड़

बस्तर संभाग में आज सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच हुई दो अलग–अलग मुठभेड़ों में चौदह माओवादी मारे गए हैं। सभी माओवादियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मुठभेड़ में माओवादी कमांडर सचिन मंगडू भी मारा गया है।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि बीजापुर और सुकमा जिलों के दक्षिणी क्षेत्रों में सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड–डीआरजी की टीमें रवाना की गई थीं। सुकमा जिले में तलाशी अभियान के दौरान कोंटा स्थित किस्टाराम के जंगलों में पहले से घात लगाए माओवादियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में बारह माओवादी मारे गए। वहीं, बीजापुर जिले के बासागुड़ा इलाके में हुई मुठभेड़ में दो माओवादी मारे गए हैं।

घटनास्थल से भारी मात्रा में एके सैंतालीस, इंसास और एसएलआर रायफल जैसे हथियार बरामद किए गए हैं। क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुरक्षा बलों की सफलता पर उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की सटीक रणनीति, सतत दबाव और मजबूत जमीनी पकड़ के चलते माओवादी नेटवर्क तेजी से ढह रहा है। श्री साय ने कहा कि बस्तर अब विकास और सुरक्षा के मार्ग पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने फिर कहा है कि जो नक्सली अब भी हिंसा का रास्ता चुन रहे

हैं, वे आत्मसमर्पण करें, पुनर्वास नीति अपनाएं और सम्मान के साथ मुख्यधारा में लौटें।

माओवादी–आत्समर्पण

शीर्ष माओवादी नेता बारसे देवा ने अपने बीस साथियों के साथ आज हैदराबाद में तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। देवा पर पचास लाख रूपए का इनाम घोषित था। देवा के आत्मसमर्पण करने से माओवादियों की सबसे घातक माने जाने वाली पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी पूरी तरह बिखर गई है। पुलिस के मुताबिक बारसे देवा माओवादी संगठन में हथियारों का विशेषज्ञ माना जाता था। देवा छत्तीसगढ़–तेलंगाना की सीमा पर सक्रिय था।

तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी ने बताया कि आत्समर्पण करने वाले सभी माओवादियों को सरकारी पुनर्वास नीति का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने सभी आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को तत्काल सहायता के रूप में पच्चीस–पच्चीस हजार रूपए के चेक सौंपे।

मुख्यमंत्री–मुलाकात

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज अपने नई दिल्ली प्रवास के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को बस्तर पंडुम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से सौजन्य भेंट की और उन्हें नये दायित्व की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री नबीन के नेतृत्व और संगठनात्मक क्षमता के बल पर भारतीय जनता पार्टी आने वाले समय में और अधिक सशक्त होकर राष्ट्र सेवा के पथ पर नई ऊंचाईयां प्राप्त करेगी।

<u>सियादेवी जलाशय एडवेंचर शुभारंभ</u>

बालोद जिले के गुरूर विकासखंड के तहत ग्राम नारागांव में स्थित सियादेवी जलाशय में एडवेंचर और बैम्बु राफ्टिंग सेंटर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनीता साहू, उप सरपंच जगन्नाथ साहू सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने बताया कि यह सेंटर शीघ्र ही इको टूरिज्म के प्रमुख स्थल के रूप में विकसित होगा तथा बालोद जिले की पर्यटन पहचान को मजबूत करेगा। उन्होंने बताया कि सेंटर के माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों विशेषकर युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे।

<u>सड़क-मंजूरी</u>

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत राज्य में दो हजार दो सौ पच्चीस करोड़ रूपए की लागत से सात सौ चौहत्तर ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत आने वाले अनुसूचित जनजाति बाहुल्य ग्रामों को प्राथमिकता दी गई

है। सबसे अधिक सत्यासी सड़कें बस्तर जिले में बनाई जाएंगी। योजना के तहत प्रदेश की सात सौ इक्यासी ग्रामीण बसाहटें बारामासी सड़क सुविधा से जुड़ेंगी। इससे अब तक सड़क संपर्क से वंचित दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों के ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा होगी तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, व्यापार और रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

जी राम जी योजना

जांजगीर–चांपा जिले के ग्राम कुटराबोड़ के सरंपच पुष्कर दिनकर ने विकसित भारत –जी राम जी योजना को सभी मजूदरों, किसानों के हित में की गई एक अच्छी पहल बताया है। आकाशवाणी समाचार से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले कानून में प्रति वर्ष केवल एक सौ दिन के रोजगार का प्रावधान था, लेकिन नए कानून में इसकी संख्या बढ़ाकर एक सौ पच्चीस दिन कर दी गई है।

खेलो–इंडिया ट्राइबल गेम्स

छत्तीसगढ़ को प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स–दो हजार छब्बीस की मेजबानी मिली है। इसका उद्घाटन राजधानी रायपुर में चौदह फरवरी को किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कल नई दिल्ली में खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात कर खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आयोजन के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी छत्तीसगढ़ को मिलना राज्य के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। यह अवसर राज्य की समृद्ध जनजातीय परंपराओं और खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा। वहीं, केन्द्रीय मंत्री श्री मांडविया ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों के युवाओं में खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में इस प्रकार के आयोजन खेलों के प्रति नये उत्साह और अवसर पैदा करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को आयोजन की सभी तैयारियों में केन्द्र सरकार द्वारा सहयोग का भरोसा दिलाया।

उल्लेखनीय है कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के तहत एथलेटिक्स, तीरंदाजी, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग, हॉकी, फुटबॉल और तैराकी सहित सात मुख्य खेलों की स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार सरगुजा संभाग में कुश्ती, तीरंदाजी और वेटलिफ्टिंग, रायपुर में हॉकी, फुटबॉल और तैराकी तथा बिलासपुर में एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

<u>छेरछेरा–पर्व</u>

प्रदेशभर में अन्नदान का पर्व छेरछेरा आज हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। धान की नई फसल आने के अवसर पर पौष माह की पूर्णिमा को यह पर्व मनाया जाता है। इसमें मुख्य रूप से धान का दान किया जाता है। सुबह से ही बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं टोली बनाकर घूम–घूमकर धान मांगते रहे। वहीं, किसान और अन्य ग्रामीणों ने घर के सामने टोकरी में धान रखकर खुले

हाथों से लोगों को बांटा। सक्ती जिले के गांवों में घर–घर धान मांगने के बाद परंपरानुसार लोगों ने टोली बनाकर डंडा नृत्य का भी प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को छेरछेरा की बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है।

उधर, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने धरसींवा विकासखंड के ग्राम तरपोंगी में पारंपरिक रूप से घर–घर जाकर अन्नदान ग्रहण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि छेरछेरा तिहार छत्तीसगढ़ की आत्मा से जुड़ा पर्व है, जो समाज में समानता, सहयोग और दान की भावना का सशक्त करता है।

पाठ्य पुस्तक निगम–स्पष्टीकरण

छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम ने स्पष्ट किया है कि शिक्षा सत्र दो हजार छब्बीस–सत्ताईस के लिए पाठ्य पुस्तकों के मुद्रण से संबंधित सभी निर्णय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, एनसीईआरटी के मानकों तथा राज्य शासन और एससीईआरटी के निर्देशों के अनुरूप लिए गए हैं। निगम के अधिकारियों ने बताया कि कक्षा पहली से आठवीं तक की पुस्तकों का पाठ्यक्रम एनसीईआरटी पर आधारित है। उन्होंने बताया कि विषयों की संख्या में वृद्धि की गई है। आगामी सत्र में एक सौ चौंतीस विषयों के स्थान पर एक सौ चवालीस विषयों की पुस्तकों का मुद्रण प्रस्तावित है।

<u>जिले की चिट्ठी</u>

प्रादेशिक समाचार एकांश, आकाशवाणी रायपुर द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम "जिले की चिट्ठी" का प्रसारण कल शाम छह बजकर पांच मिनट से छह बजकर दस मिनट तक किया जाएगा। इस कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ स्थित आकाशवाणी के सभी केन्द्र रिले करेंगे। इस बार के अंक में ''जशपुर'' जिले की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जाएगी।

<><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><>
<><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><>